ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-02-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-14	2026-02-15	2026-02-16	2026-02-17	2026-02-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	26.0	26.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	6.0	7.0	8.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	78	77	71	66	57
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	42	36	30	26	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	310	320	320	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	1	0	0	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (6 से 12 फरवरी) में कोई बारिश नहीं हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.2 से 25.0 डिग्री सेल्सियस और 6.4 से 8.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। हवा पूर्व, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व और पश्चिम दिशा से 1.4 से 3.3 किमी प्रति घंटे की गति से चली।आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.0 से 27.0 डिग्री सेल्सियस और 6.0 से 8.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा उत्तर-पश्चिम और पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 5-6 किमी प्रति घंटे की गति से चलने का अनुमान है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई मौसम चेतावनी नहीं ।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव और संबंधित परामर्श नहीं।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस

उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 13 से 19 फरवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान में काफी कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई महत्वपूर्ण चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए नियमित कृषि गतिविधियों को निर्धारित किया जाना चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने के समय सिंचाई करनी चाहिए और फली छेदक कीट लगने पर उचित जैविक और रसायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण के लिए 5% नीम के बीज के अर्क या बीटी (1 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर) का प्रयोग किया जा सकता है। रसायनिक नियंत्रण के लिए 125 मिलीलीटर कोलरैंट्रानिलिप्रोले 18.5 एसएल या 220 ग्राम इमेमेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। पहला रसायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने के समय सिंचाई करनी चाहिए और फली छेदक कीट लगने पर उचित जैविक और रसायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण के लिए 5% नीम के बीज के अर्क या बीटी (1 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर) का प्रयोग किया जा सकता है। रसायनिक नियंत्रण के लिए 125 मिलीलीटर कोलरैंट्रानिलिप्रोले 18.5 एसएल या 220 ग्राम इमेमेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। पहला रसायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
रेपसीड	फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। रेपसीड में कीट और रोग के हमले की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित उपायों का पालन करना चाहिए। सफेद रतुआ, झुलसा रोग और फफूंदी रोग को उपयुक्त फफूंदनाशक के प्रयोग से नियंत्रित किया जा सकता है। अल्टरनेरिया झुलसा रोग के मामले में, मैनकोजेब 75% का 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव आवश्यक है, जबकि सफेद रतुआ रोग के मामले में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। हल्के फफूंदी रोग का भी हमला हो सकता है, जिसका उपचार मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर किया जा सकता है।
सरसों	फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। सरसों में कीट और रोग के हमले की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित उपायों का पालन करना चाहिए। सफेद रतुआ, झुलसा रोग और फफूंदी रोग को उपयुक्त फफूंदनाशक के प्रयोग से नियंत्रित किया जा सकता है। अल्टरनेरिया झुलसा रोग के मामले में, मैनकोजेब 75% का 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव आवश्यक है, जबकि सफेद रतुआ रोग के मामले में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। हल्के फफूंदी रोग का भी हमला हो सकता है, जिसका उपचार मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एम्ज़ 72 का 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर किया जा सकता है।
गेहूँ	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों, कीटों/कीड़ों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। देर से बोई गई फसल में खरपतवार नियंत्रण के उपाय अपनाए जाने चाहिए।
जौ	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों, कीटों/कीड़ों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। देर से बोई गई फसल में खरपतवार नियंत्रण के उपाय अपनाए जाने चाहिए।
गन्ना	शरद ऋतु में बोई गयी गन्ने की फसल में निराई-गुड़ाई के साथ-साथ सिंचाई भी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज के पौधों को आवश्यकतानुसार पानी देना चाहिए और नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
टमाटर	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
बैंगन	बैंगन के पौधों की रोपाई इसी महीने करनी चाहिए।
सेम की फली	इस महीने फ्रेंच बीन की बुवाई की जा सकती है।
आलू	आलू की पकी हुई फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए और यदि आलू में पछेती झुलसा रोग लग जाए तो 2.5 ग्राम मैनकोजेब को पानी में मिलाकर प्रयोग करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी-जुकाम से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। गाय/भैंस को केवल बरसीम, अगोला आदि जैसे अपरिष्कृत खाद्य पदार्थ ही नहीं खिलाने चाहिए। उन्हें हमेशा हरे चारे के साथ मानक मात्रा में सूखा चारा भी देना चाहिए। गाय/भैंस के बछड़ों के सींगों की कलियों को एक सप्ताह की उम्र में ही नष्ट कर देना चाहिए।
गाय	पशुओं को सर्दी-जुकाम से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। गाय/भैंस को केवल बरसीम, अगोला आदि जैसे अपरिष्कृत खाद्य पदार्थ ही नहीं खिलाने चाहिए। उन्हें हमेशा हरे चारे के साथ मानक मात्रा में सूखा चारा भी देना चाहिए। गाय/भैंस के बछड़ों के सींगों की कलियों को एक सप्ताह की उम्र में ही नष्ट कर देना चाहिए।
बकरा	भेड़ और बकरी के नवजात मेमनों का अच्छे से ख्याल रखें और उनकी देखभाल करें।
भेड़	भेड़ और बकरी के नवजात मेमनों का अच्छे से ख्याल रखें और उनकी देखभाल करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर नहीं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव आधारित परामर्श नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details